# जो नौ दिन मईया नै मनावैगी

जो नौ दिन मईया नै मनावैगी,
वा तो छिक छिक मौज उड़ावैगी,
वा तो छिक छिक मौज उड़ावैगी,
जो नौ दिन मईया नै मनावैगी,
वा तो छिक छिक मौज उड़ावैगी॥

चांदी के लोटे में गंगा जल भरके,
जो मैया के चरण धुवावैगी,
जिंदगी म्ह घणा सुख पावैगी,
जो नौ दिन मईया नै मनावैगी,
वा तो छिक छिक मौज उड़ावैगी॥

थाली म्ह ले कै चावल और रोली,
जो मैया ने तिलक लगावैगी,
जिंदगी म्ह घणा सुख पावैगी,
जो नौ दिन मईया नै मनावैगी,
वा तो छिक छिक मौज उड़ावैगी॥

ध्वजा नारियल पान मिठाई,
जो मैया ने भेट चढावैगी,
जिंदगी म्ह घणा सुख पावैगी,
जो नौ दिन मईया नै मनावैगी,
वा तो छिक छिक मौज उड़ावैगी॥

लाल लाल चोला लाल लाल चुनड़ी,
जो मैया ने प्रेम तै ओढावैगी,
जिंदगी म्ह घणा सुख पावैगी,
जो नौ दिन मईया नै मनावैगी,
वा तो छिक छिक मौज उड़ावैगी॥

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/24239/title/jo-nau-din-mayia-ne-manavegi

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |